लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

COUNSELLING AND GUIDANCE CELL

UNIVERSITY OF LUCKNOW

IS ORGANISING A WORKSHOP ON

HOLISTIC DEVELOPMENT OF STUDENTS

FOR THE RESIDENTS OF

LAVANYA GIRLS HOSTEL

DATE: 3rd DECEMBER 2022
TIME: 3.30 PM

PATRON
PROF. ALOK KUMAR RAI
HON'BLE VICE CHANCELLOR
UNIVERSITY OF LUCNOW

PANELIST

PROF. MADHURIMA PRADHAN
DIRECTOR,
COUNSELLING AND GUIDANCE CELL,
UNIVERISTY OF LUCKNOW

DR. ANUPAMA SRIVASTAVA
PROVOST, LAVANYA GIRLS HOSTEL NEW CAMPUS, UNIVERSITY OF LUCKNOW

DR KAVITA UPADHYAYA
COUNSELLOR,SPRINGDALE COLLEGE, LUCKNOW.

DR. VAISHALI SAXENA
DEPUTY DIRECTOR,
COUNSELLING AND GUIDANCE CELL
UNIVERSITY OF LUCKNOW

EVENT COORDINATORS

DR. RITU SINGH
ASST.PROVOST, LAVANYA GIRLS HOSTEL
NEW CAMPUS,
UNIVERSITY OF LUCKNOW

DR. ANUPAM KUMAR TRIPATHI
COORDINATOR,
COUNSELLING AND GUIDANCE CELL,
UNIVERSITY OF LUCKNOW

Workshop For Holistic Development Of Student At Lavanya Girls Hall

Report

At University of Lucknow, Second Campus in Lavanya Girls Hall, one day workshop on topic of "Holistic Development of Students" was organized by Counselling and Guidance Cell of University of Lucknow on 3rd December 2022. Respected Panelist for the event were Prof. Madhurima Pradhan (Director-Counselling and Guidance Cell), Dr. Kavita Upadhya (Counsellor, Springdale College), Dr. Anupama Srivastava (Provost- Lavanya Girls Hall) and Dr. Vaishali Saxena (Deputy Director – Counselling and Guidance Cell). Dr. Madhurima Pradhan told about the objectives of from Counselling and Guidance Cell of University of Lucknow told students about objectives of Counselling and Guidance Cell, University of Lucknow. New Education Policy emphasizes that education should be aimed at promoting not only their academic acumen but also their social and emotional skills to become successful in life. She specifically provided tips for managing distress and anxiety and developing the wise mind and formula to become happy and satisfied. Discussion on important points of performance anxiety, self-identification and its long term and short term impact and how to overcome examination performance, impacted by performance anxiety was done by Dr. Kavita, Dr. Vaishali discussed time quadrant and efficient time management. Event was coordinated by Dr. Ritu Singh (Assistant Provost – Lavanya Girls Hall) and Dr. Anupam Kumar Tripathi (Coordinator -Counselling and Guidance Cell). Students anonymously asked many questions related to how to control stress, fear of failure, over thinking, anxiety and depression, how to achieve higher goals in life, how to develop skills of communication in public, how to relate with people with whom they don't want to, how to become positive, how to avoid distractions in life, how to cope in male dominated society. Queries were addressed and many solutions were suggested by the esteemed panelist to the satisfaction of young girls and all the students had a very interactive session.

Vice President
Anjali Dixit
B.Tech (CSE)
Third Year
LAVANYA HALL
PUBLICATION COMMITTEE
COUNSELLING AND GUIDANCE CELL
UNIVERSITY OF LUCKNOW
HOLISTIC DEVELOPMENT OF STUDENTS
LAVANYA GIRLS HOSTEL
PATRON

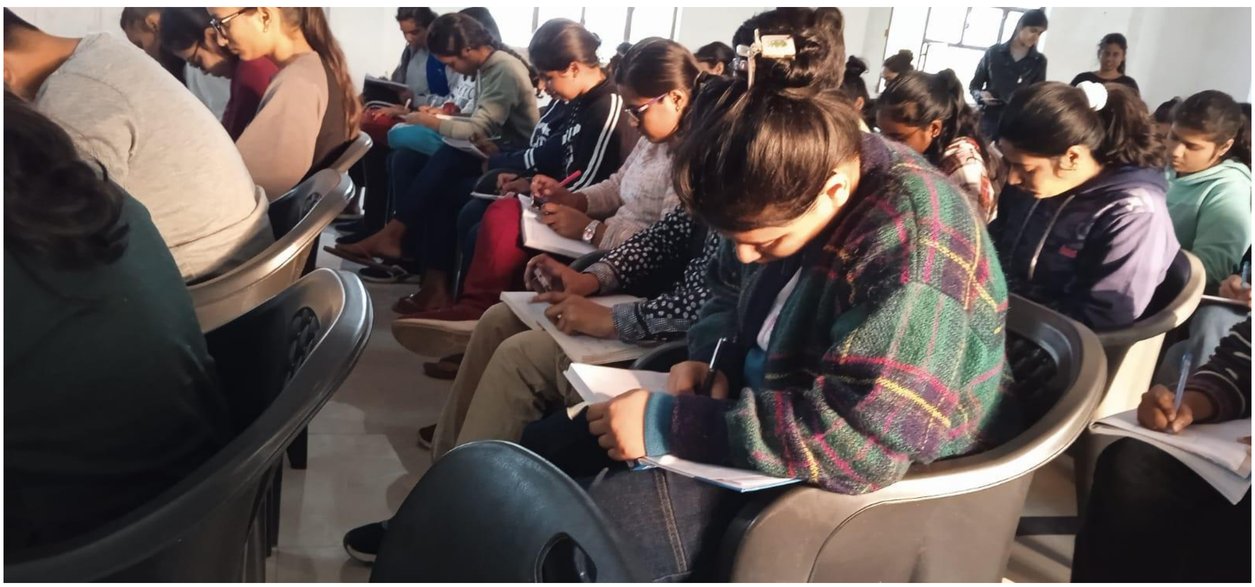

छात्रों के सामाजिक व भावनात्मक कौशल को बढ़ावा दें : डॉ. मधुरिमा

लखनऊ, 03 दिसम्बर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के लावण्या गर्ल्स हॉल में लविवि के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने छात्रों के समग्र विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस आयोजन की पैनलिस्ट प्रो. मधुरिमा प्रधान (डायरेक्टर-काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल), डॉ. कविता उपाध्याय (काउंसलर, स्प्रिंगडेल कॉलेज), डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव (प्रोवोस्ट-लावण्या गर्ल्स हॉल) और डॉ. वैशाली सक्सेना (डिप्टी डायरेक्टर-कार्उसिलिंग एंड गाइडेंस सेल) शमिल रही।

वहीं, डॉ. मधुरिमा प्रधान ने लविवि के काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल के उद्देश्यों के बारे में बताया और छात्रों को लविवि के काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल के उद्देश्यों के बारे में बताया। कहा कि नई शिक्षा नीति में इस बात पर बल दिया गया है कि शिक्षा का उद्देश्य न केवल उनकी शैक्षणिक कुशाग्रता को बढ़ावा देना चाहिए, बल्कि जीवन में सफल होने के लिए उनके सामाजिक और भावनात्मक कौशल को भी बढ़ावा भी देना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से संकट और चिंता को प्रबंधित करने और खुश और संतुष्ट होने के लिए बुद्धिमान दिमाग और सूत्र विकसित करने के लिए सुझाव दिए।

प्रदर्शन चिंता, आत्म-पहचान और इसके दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रभाव के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा और प्रदर्शन चिंता से प्रभावित परीक्षा प्रदर्शन को कैसे दूर किया जाए इस पर डॉ.कविता ने चर्चा की। डॉ. वैशाली ने समय चर्तुथांश और कुशल समय प्रबंधन पर चर्चा की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. ऋतु सिंह (सहायक प्रोवोस्ट- लावण्या गर्ल्स हॉल) और डॉ.अनुपम कुमार त्रिपाठी (समन्वयक-परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ) ने किया।

एलयू में छात्रों के समग्र विकास पर हुई कार्यशाला

लखनऊ। एलयू के द्वितीय परिसर में शनिवार को छात्रों के समग्र विकास विषय पर कार्यशाला हुई। एलयू के परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की कार्यशाला में काउंसलिंग एण्ड गाइडेंस सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति में इस बात पर बल दिया गया है कि शिक्षा का उद्देश्य न केवल शैक्षणिक कुशाग्रता को बढ़ावा देना होना चाहिए बल्कि जीवन में सफल होने के लिए उनके सामाजिक और भावनात्मक कौशल को भी बढ़ावा देना चाहिए।

छात्रों के समग्र विकास पर कार्यशाला

लखनऊ। लविवि के न्यू कैंपस स्थित लावण्या गर्ल्स हॉल में शनिवार को परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से छात्रों के समग्र विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। निदेशक काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल प्रो. मधुरिमा प्रधान व स्प्रिंग डेल कॉलेज की काउंसलर डॉ. कविता उपाध्याय ने चिंता से परीक्षा प्रदर्शन को कैसे दूर किया जाए, इस पर चर्चा की। डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. ऋतु सिंह, डॉ. अनुपम त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)